भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 685

बुधवार, 16 सितंबर, 2020 को उत्तर दिए जाने के लिए

मेक इन इंडिया पहल में अन्य देशों के साथ सहयोग

685. श्री धर्मवीर सिंहः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2014 से आज की तिथि तक सरकार की मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ सहयोग का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विदेशी कंपनियां 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के अंतर्गत उत्पादन/प्रौद्योगिकीय प्रविधि//कच्चा माल/रणनीति में सहायता प्रदान कर रही हैं;

(ग) यदि हां, तो इन विदेशी कंपनियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के बारे में ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने 2014 से 2020 तक पांच वर्षों के दौरान मेक इन इंडिया के अंतर्गत कुल निवेशों का अनुमान लगाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) 'मेक इन इंडिया' पहल के आरंभ होने से आज की तिथि तक विज्ञापन से संबंधित व्यय का मीडिया-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): समय समय पर मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत विभिन्न केन्द्रीय और राज्य सरकार के विभागों द्वारा गतिविधियां शुरू की जा रही हैं। ऐसी गतिविधियों के कार्यक्रम संबंधी विशिष्ट डेटा और विदेशी कंपनियों का ब्यौरा केन्द्रीय स्तर पर नहीं रखा जाता है।

(घ): भारत ने 2014-2015 के 45.15 बिलियन अमेरिकी डालर की तुलना में पिछले वित्तीय वर्ष 2019-2020 के दौरान 74.39 बिलियन अमेरिकी डालर (अनंतिम आंकड़े) के वार्षिक एफडीआई अंतर्वाह के रूप में अब तक का सर्वाधिक अंतर्वाह दर्ज किया है। पिछले 6 वित्तीय वर्षों (2014-2020) के दौरान भारत में 358.30 बिलियन अमेरिकी डालर एफडीआई अंतर्वाह प्राप्त किया है जो कि पिछले 20 वर्षों में दर्ज किए गए (681.87

बिलियन अमेरिकी डालर) एफडीआई का 53 प्रतिशत है। 2014-2015 से अब तक देश में वर्षवार एफडीआई अंतर्वाह का ब्यौरा नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

तालिका: 2014-2015 से अब तक वर्षवार एफडीआई अंतर्वाह

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	राशि (बिलियन अमेरिकी डालर में)
1.	2014-15	45.15
2.	2015-16	55.56
3.	2016-17	60.22
4.	2017-18	60.97
5.	2018-19	62.00
6.	2019-20	74.39

हालांकि, मेक इन इंडिया के तहत कुल निवेश के संबंध में कोई आंकड़े केंद्रीय स्तर पर नहीं रखे जाते हैं।

(ङ): समय समय पर मेक इन इंडियां पहल के अंतर्गत विभिन्न केन्द्रीय और राज्य सरकार के विभागों द्वारा प्रोत्साहन गतिविधियों शुरू की जा रही है। इस संबंध में ब्यौरा केन्द्रीय स्तर पर नहीं रखा जाता है।

*****